अण्डमान निकोबार
द्वीप समाचार

संख्या 155 श्री विजय पुरम, शुक्रवार, 12 जून 2026 web: dt.andaman

सतत कृषि एवं कृषि–उद्यमिता को बढ़ावा देने हेतु एफपीओ और स्वयं सहायता समूहों को किया गया प्रोत्साहित

श्री विजय पुरम, 11 जून

देशव्यापी "खेत बचाओ अभियान" के अंतर्गत, आईसीएआर–केंद्रीय द्वीप कृषि अनुसंधान संस्थान (आईसीएआर–सीआईएआरआई), श्री विजय पुरम द्वारा 11 जून, 2026 को उर्वरकों के संतुलित उपयोग विषय पर एफपीओ, स्वयं सहायता समूह (एसएचजी) एवं प्रगतिशील किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम दक्षिण अण्डमान जिले के स्वयं सहायता समूहों, किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) तथा प्रगतिशील किसानों के लिए आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कुल 77 किसानों ने भाग लिया।

कार्यक्रम में आईसीएआर–सीआईएआरआई एवं कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके), दक्षिण अण्डमान के वैज्ञानिकों तथा नाबार्ड के अधिकारियों ने भाग लिया और सतत कृषि पद्धतियों, मृदा स्वास्थ्य में सुधार हेतु उर्वरकों के संतुलित एवं विवेकपूर्ण उपयोग तथा पर्यावरण–अनुकूल कृषि प्रणालियों को बढ़ावा देने पर चर्चा की। प्रतिभागियों को कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, ब्रांडिंग, पैकेजिंग एवं विपणन से संबंधित विभिन्न सरकारी योजनाओं और अवसरों की भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य कृषि लाभप्रदता बढ़ाना तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में ग्रामीण आजीविका को सु.ढ करना है।

संवाद सत्र के दौरान, श्री आलोक नाथ पुष्पक, सहायक महाप्रबंधक, नाबार्ड, श्री विजय पुरम ने किसानों के बीच वित्तीय समावेशन, उद्यमिता एवं आजीविका विकास से जुडे विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

डॉ. जय सुंदर, निदेशक, आईसीएआर–सीआईएआरआई ने स्वयं सहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठनों के माध्यम से सामूहिक प्रयासों के महत्व पर बल देते हुए कहा कि सामूहिक उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन से व्यक्तिगत प्रयासों की तुलना में अधिक आर्थिक लाभ प्राप्त

किए जा सकते हैं।

डॉ. राज नारायण, अध्यक्ष, उद्यानिकी एवं फसल सुधार प्रभाग ने सतत कृषि तथा मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन को बढ़ावा देने में खेत बचाओ अभियान के महत्व को रेखांकित किया।

डॉ. एम. मुरुगानंदम, अध्यक्ष, मत्स्य विज्ञान प्रभाग ने अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह के समुद्री एवं मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्रों में मत्स्य एवं जलीय कृषि क्षेत्रों की अपार संभावनाओं पर प्रकाश डाला।

इससे पूर्व, डॉ. वाई. रामकृष्ण, प्रधान वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष, कृषि विज्ञान केंद्र, दक्षिण अण्डमान ने प्रतिभागियों का स्वागत किया तथा अण्डमान तथा निकोबार द्वीपसमूह में संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन को बढ़ावा देने, मृदा स्वास्थ्य में सुधार लाने तथा सतत कृषि प्रणालियों को आगे बढ़ाने के लिए किसानों, वैज्ञानिकों, प्रसार कर्मियों एवं अन्य हितधारकों के बीच सहयोगात्मक प्रयासों के महत्व को रायखांकित किया।

विचार–विमर्श में दक्षिण अण्डमान के विभिन्न स्वयं सहायता समूहों एवं किसान उत्पादक संगठनों से कुल 85 प्रतिभागियों ने भाग लिया। अंत में श्री मोहित, विषय वस्तु विशेषज्ञ ने धन्यवाद प्रस्ताव प्रस्तुत किया।